इस्पाबत मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न् संख्या 226

30 नवम्ब्र , 2015 को उत्तसर के लिए

इस्पात संयंत्रों का विस्तार

226. श्री बी. वी. नाईक:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या वर्तमान इस्पात संयंत्रों और नए इस्पात संयंत्रों के विस्तार की कई परियोजनाएं विभिन्न कारणवश कई कम्पनियों द्वारा रद्द अथवा स्थगित कर दी गई हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या इसके परिणामस्वरूप इस्पात की घरेलू आपूर्ति प्रभावित हुई है और कीमतों में वृद्धि हुई है;

(ग) यदि हां, तो क्या सरकार ने ऐसे महत्वपूर्ण कारकों की पहचान की है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरे क्या हैं और इस संबंध में सरकार द्वारा उठाए गए सुधारात्मक कदम क्या हैं?

उत्तघर

इस्पाबतऔर खान राज्यो मंत्री (श्री विष्णु□देव साय)

(क): इस्पात एक नियंत्रण मुक्त क्षेत्र है और विद्यमान इस्पात संयंत्रों के विस्तार के लिए निवेश संबंधी निर्णय अथवा नए इस्पात संयंत्रों की स्थापना संबंधी निर्णय संबंधित कंपनियों / निवेशकों द्वारा वाणिज्यिक सोच विचार, बाजार गतिशीलता और परियोजनाओं की तकनीकी आर्थिक व्यवहार्यता के आधार पर लिए जाते हैं। इस्पात उद्योग इस्पायत की कम कीमत , कम लाभप्रदता, भूमि अधिग्रहण, पर्यावरण एवं वन मंजूरी संबंधी मुद्दें और बैंकों और वित्तीय संस्थाओं से वित्त की उपलब्धता के कारण चुनौतिपूर्ण समय का सामना कर रहा है।

(ख): पिछले कुछ वर्षों में इस्पात के उत्पादन में निरन्तर बढ़ोत्तरी हुई है। पिछले तीन वर्षों और चालू वर्ष में क्रूड इस्पात के उत्पादन और इसकी प्रतिशत वृद्धि संबंधी आंकड़े निम्नवत हैं:

वर्ष	क्रूड इस्पात का उत्पादन (हजार टन)	प्रतिशत वृद्धि
2012-13	78,416	5.4
2013-14	81,693	4.3
2014-15	88,979	8.9
2015-16 अप्रैल - अक्तूबर	52,448	-
स्रोत: जेपीसी		

हाल की अवधि में इस्पात की कीमतों में अत्यधिक नरमी आयी है और देश में इस्पात की कोई कमी नहीं है।

(ग) से (घ) : प्रश्न नहीं उठता।

***